छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य

कहानी कथन

प्रतियोगिता 2026

प्रेरणा स्रोत

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

मा. कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

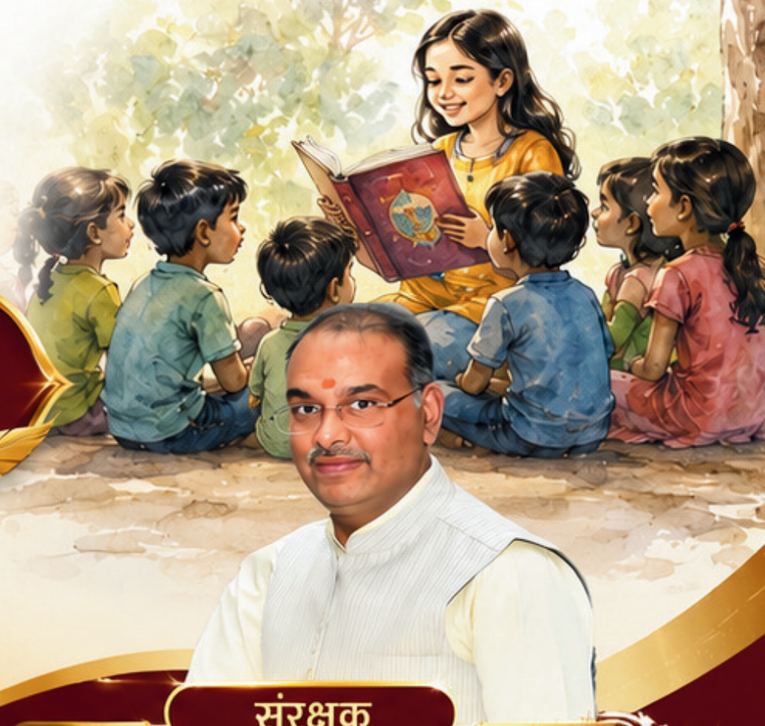

संरक्षक

प्रो. विनय कुमार पाठक

कुलपति

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

कहानी कथन प्रतियोगिता
द्वितीय/अंतिम चरण, 06 जुलाई 2026

(चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के कक्षा समूहवार प्रथम दो विजेताओं के मध्य)

विषय: स्वदेशी भावना एवं राष्ट्रवाद
प्रतिभागी: 14

कक्षा समूह 1
(कक्षा 03 से 08 तक)

विजेता: राधिका
कक्षा: 07
उच्च प्राथमिक विद्यालय,गबड़हा
विकास खण्ड, चौबेपुर

कक्षा समूह 2
(कक्षा 09 से 12 तक)

विजेता: प्रीति
कक्षा: 12
भजन लाल स्व• सं• से• इण्टर कॉलेज
विकास खण्ड चौबेपुर , कानपुर

विषय: अनुशासन का महत्व
प्रतिभागी: 4

कहानी कथन प्रतियोगिता

द्वितीय चरण/अंतिम चरण

दिनांक: 06 जुलाई 2026

कक्षा समूह-01

(कक्षा 03 से 08 तक)

विषय : स्वदेशी भावना एवं राष्ट्रवाद

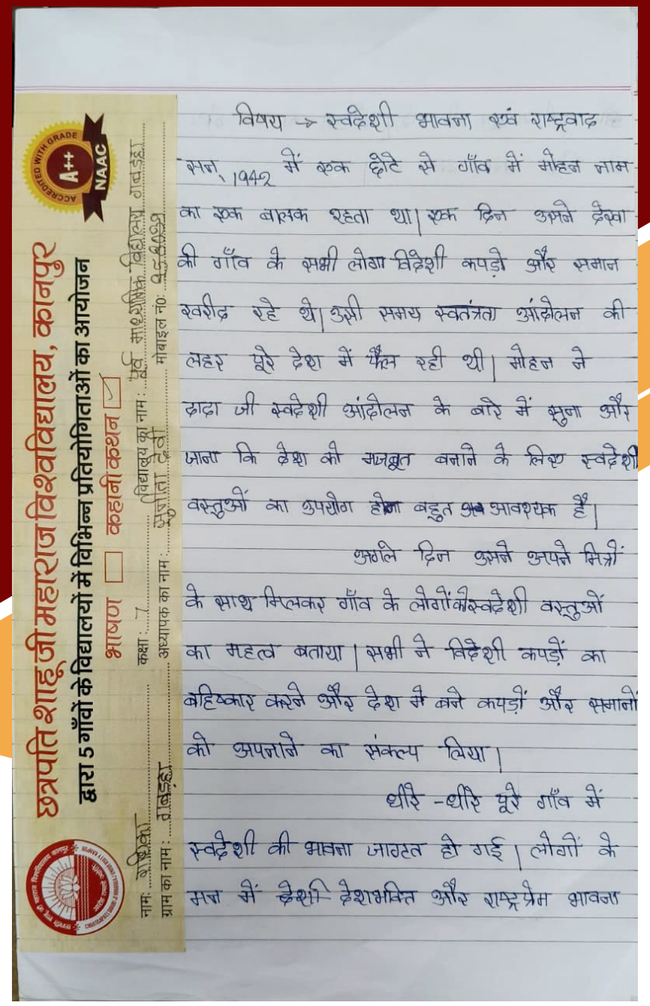

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☐ कहानी कथन ☑
नाम: राधिका कक्षा: 7 विद्यालय का नाम: पूर्व माध्यमिक विद्यालय गबड़हा
ग्राम का नाम: गबड़हा अध्यापक का नाम: मोबाइल नं0:

विषय → स्वदेशी भावना एवं राष्ट्रवाद

सन् 1942 में एक छोटे से गाँव में मोहन नाम का एक बालक रहता था। एक दिन उसने देखा की गाँव के सभी लोग विदेशी कपड़े और समान खरीद रहे थे। उसी समय स्वतंत्रता आंदोलन की लहर पूरे देश में फैल रही थी। मोहन ने दादा जी स्वदेशी आंदोलन के बारे में सुना और जाना कि देश को मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग बहुत आवश्यक है।

अगले दिन उसने अपने मित्रों के साथ मिलकर गाँव के लोगों को स्वदेशी वस्तुओं का महत्व बताया। सभी ने विदेशी कपड़ों का बहिष्कार करने और देश में बने कपड़ों और समानों को अपनाने का संकल्प लिया।

धीरे-धीरे पूरे गाँव में स्वदेशी की भावना जाग्रत हो गई। लोगों के मन में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम भावना

(पृष्ठ 01)

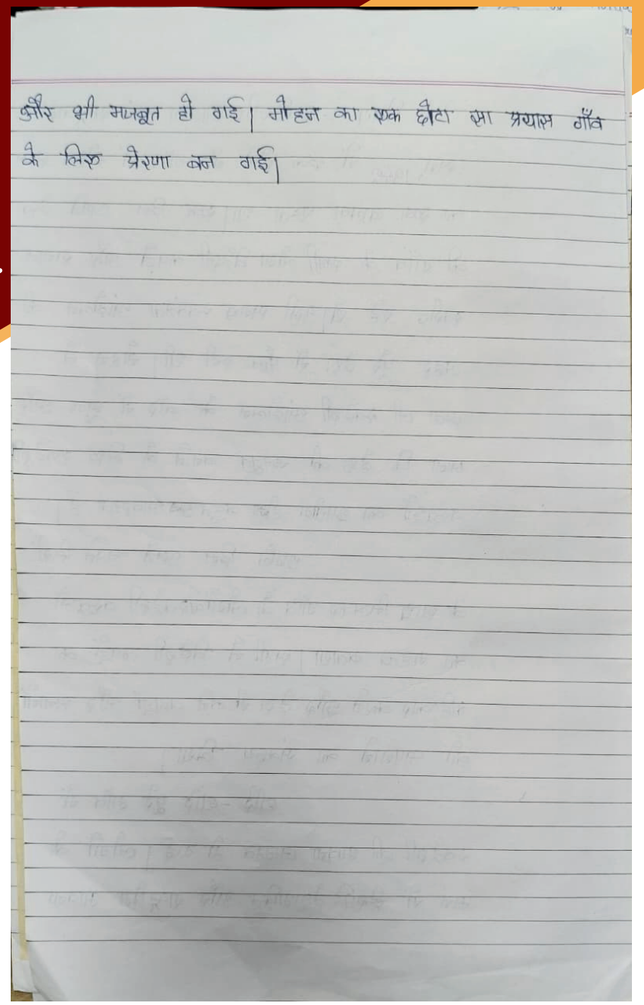

और भी मजबूत हो गई। मोहन का एक छोटा सा प्रयास गाँव के लिए प्रेरणा बन गई।

(पृष्ठ 02)

नाम: राधिका
कक्षा: 07
विद्यालय का नाम:
उच्च प्राथमिक विद्यालय,गबड़हा
विकास खण्ड चैबेपुर
स्थान: प्रथम

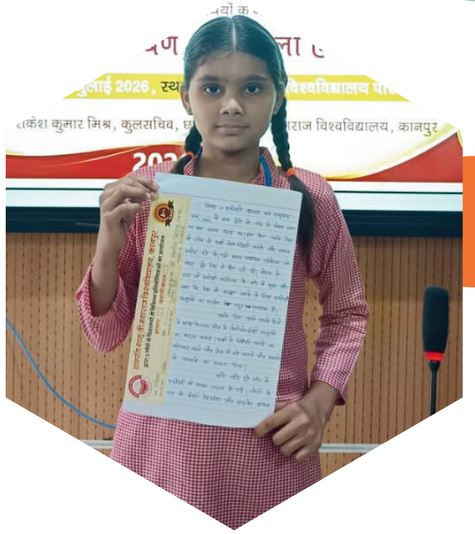

नाम: जूली

कक्षा: 07

विद्यालय का नाम:

उच्च प्राथमिक विद्यालय,गबड़हा

विकास खण्ड चैबेपुर

स्थान: द्वितीय

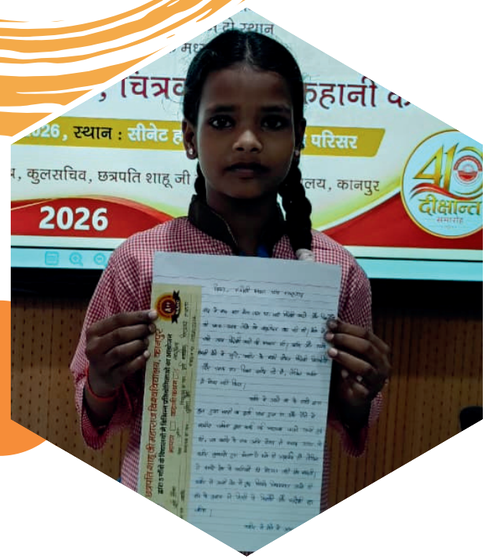

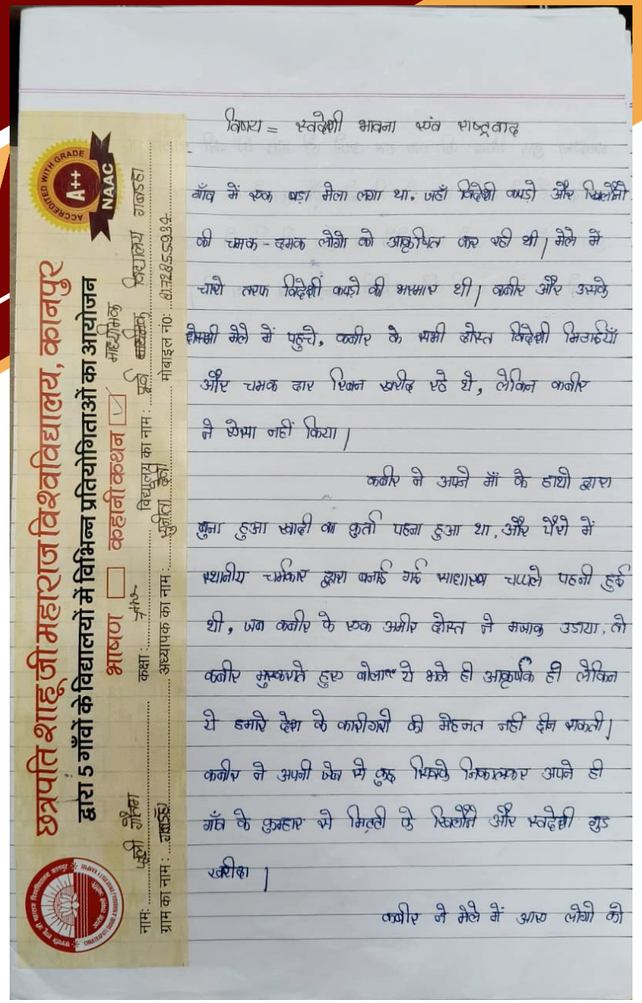

(पृष्ठ 01)

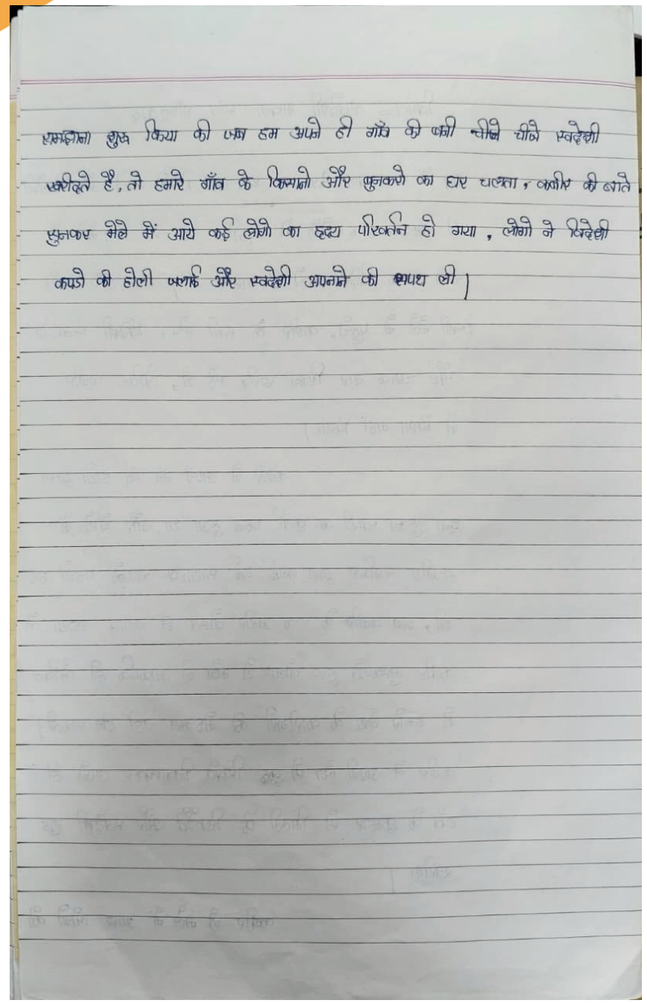

(पृष्ठ 02)

कहानी कथन प्रतियोगिता

द्वितीय चरण/अंतिम चरण

दिनांक: 06 जुलाई 2026

कक्षा समूह-02

(कक्षा 09 से 12 तक)

विषय : अनुशासन का महत्व

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

भाषण ☐ कहानी कथन ☑

नाम: प्रीति सिंह कक्षा: 12वीं विद्यालय का नाम: भजन लाल स्व० सं० से० इण्टर कॉलेज

ग्राम का नाम: गढ़ड़ाहा अध्यापक का नाम: ज्योति ... मोबाइल नं0: ...

[कहानी – अनुशासन का महत्व]:-

• गुरूजी और रामू की कहानी :-

बहुत समय पहले की बात है, एक काशीपुर गाँव में रामू नाम का लड़का रहता था वह सबकी सहायता करता था और सबका सम्मान भी करता था उसके अंदर एक चीज की कमी थी वह थी – अनुशासन की कमी। वह सुबह देर तक सोता था पढ़ाई का समय कभी भी बिगाड़ देता था खेलने में ज्यादा समय गवाना यह सब उसकी आदते बन चुकी थी।

एक दिन वह खेलते – खेलते थक गया और पेड़ के नीचे आराम करने लगा। तभी उसने देखा कि गुरू विश्वनाथ जी गाँव के कुछ बच्चो को शिक्षा दे रहे थे कि अनुशासन ही सबसे बड़ा बल है। यह किसी भी इंसान को सफल बना सकता है।

रामू ने गुरूजी की बातो को सुना और वह अपने मन में ही सोचने लगा कि क्या सच में अनुशासन धन, ताकत और बल से बढ़कर है।

कक्षा समाप्त होते ही वह गुरूजी के पास गया और उनसे कहा कि क्या वाकई गुरूजी अनुशासन सबसे बड़ा बल है क्या बिना इसके कोई इंसान सफल नही हो सकता है।

गुरूजी मुस्कुराए और बोले – कि रामू

(पृष्ठ 01)

इसका उत्तर तुम कल पाओगे। रामू ने कहा ठीक गुरू जी मै आऊँगा। फिर गुरू जी ने कहा कि मेरी एक शर्त है कल तुम्हें सूर्योदय से पहले आना होगा। रामू ने कहा मैं आऊँगा।

रामू सुबह जल्दी उठकर गुरूजी के पास गया तभी गुरूजी उसको खेतो की ओर ले गया और कहा देखो रामू ये लोग सुबह जल्दी उठकर अपने काम को समय पर करते है। यदि ये समय पर अपने काम को नहीं करेंगे तो इनकी फसल बर्बाद हो जाएगी। उसी तरह हम सब को अनुशासन में रहकर ही सभी काम को करना चाहिए।

रामू के ऊपर गुरूजी की बातो का अत्यधिक प्रभाव पड़ा और वह धीरे – धीरे पूरे गाँव में सबसे बुद्धिमान और वयस्क व्यक्ति हो गया। गाँव में किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी होती तो वह रामू के पास ही जाता था।

कहानी की सीख :- इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि अपने काम को समय पर ही करना चाहिए नही तो अनुशासन हीनता धीरे-धीरे मनुष्य को बर्बाद कर देती है। अनुशासन में ही रहकर व्यक्ति को सभी काम करना चाहिए।

(पृष्ठ 02)

नाम: प्रीति

कक्षा: 12

विद्यालय का नाम:

भजन लाल स्व• सं• से•

इण्टर कॉलेज

विकास खण्ड चौबेपुर , कानपुर

स्थान: प्रथम

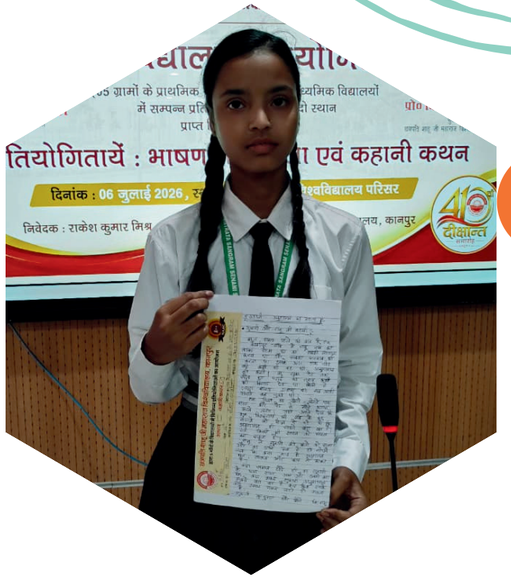

नाम: शिवा चौरसिया

कक्षा: 12

विद्यालय का नाम:

भजन लाल स्व• सं• से•

इण्टर कॉलेज

विकास खण्ड चौबेपुर , कानपुर

स्थान: द्वितीय

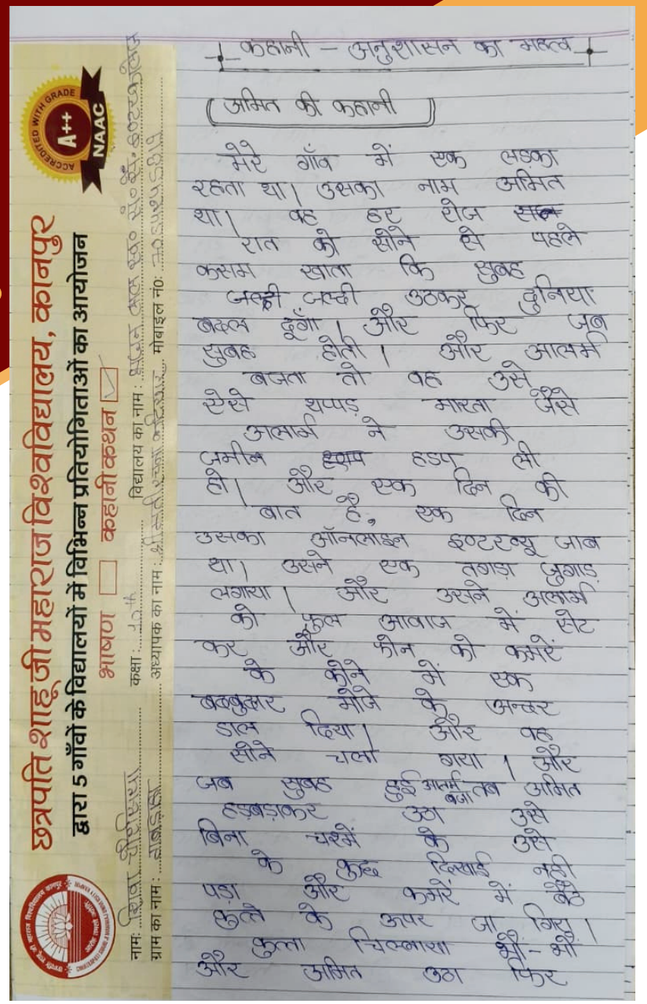

(पृष्ठ 01)

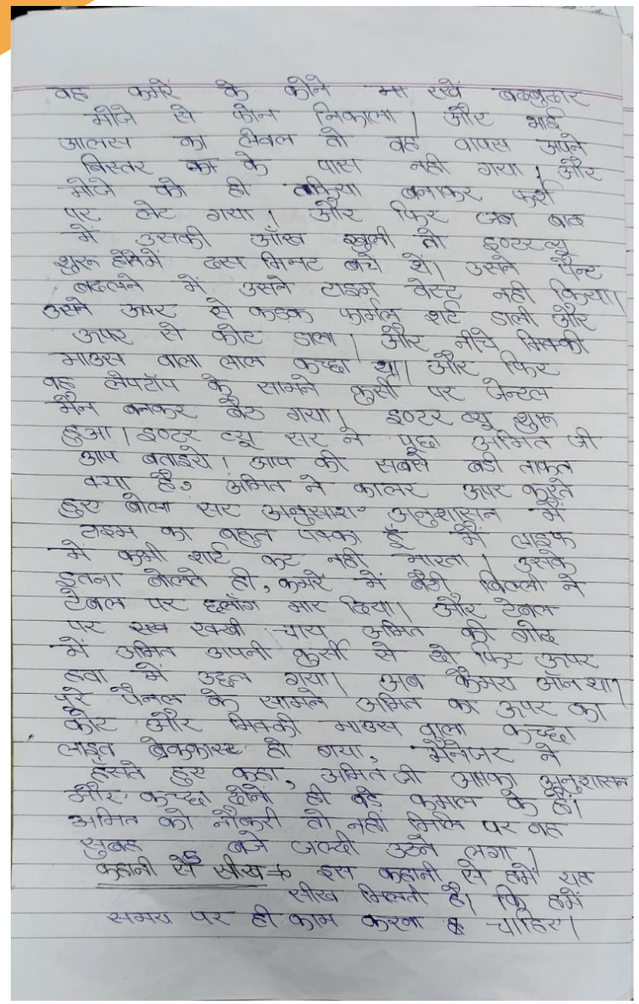

(पृष्ठ 02)

कहानी कथन प्रतियोगिता
प्रथम चरण

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य कहानी प्रतियोगिता

दिनांक: 29/30 जून 2026
02 जुलाई 2026

ईश्वरीगंज
विकास खण्ड
कल्यानपुर

उदेतपुर
विकास खण्ड
चौबेपुर

गबड़हा
विकास खण्ड
चौबेपुर

सुनौढ़ा
विकास खण्ड
चौबेपुर

परगही बांगर ,
विकास खण्ड
कल्यानपुर

कहानी कथन प्रतियोगिता
प्रथम चरण

चयनित 05 ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य कहानी कथन प्रतियोगिता

दिनांक: 29/30 जून 2026

प्राथमिक विद्यालय एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय

कक्षा समूह-01

(कक्षा 03 से 08 तक)

विषय: स्वदेशी भावना एवं राष्ट्रवाद

ग्राम- ईश्वरीगंज, विकास खण्ड कल्यानपुर
प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय, ईश्वरीगंज
29-06-2026

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

कहानी

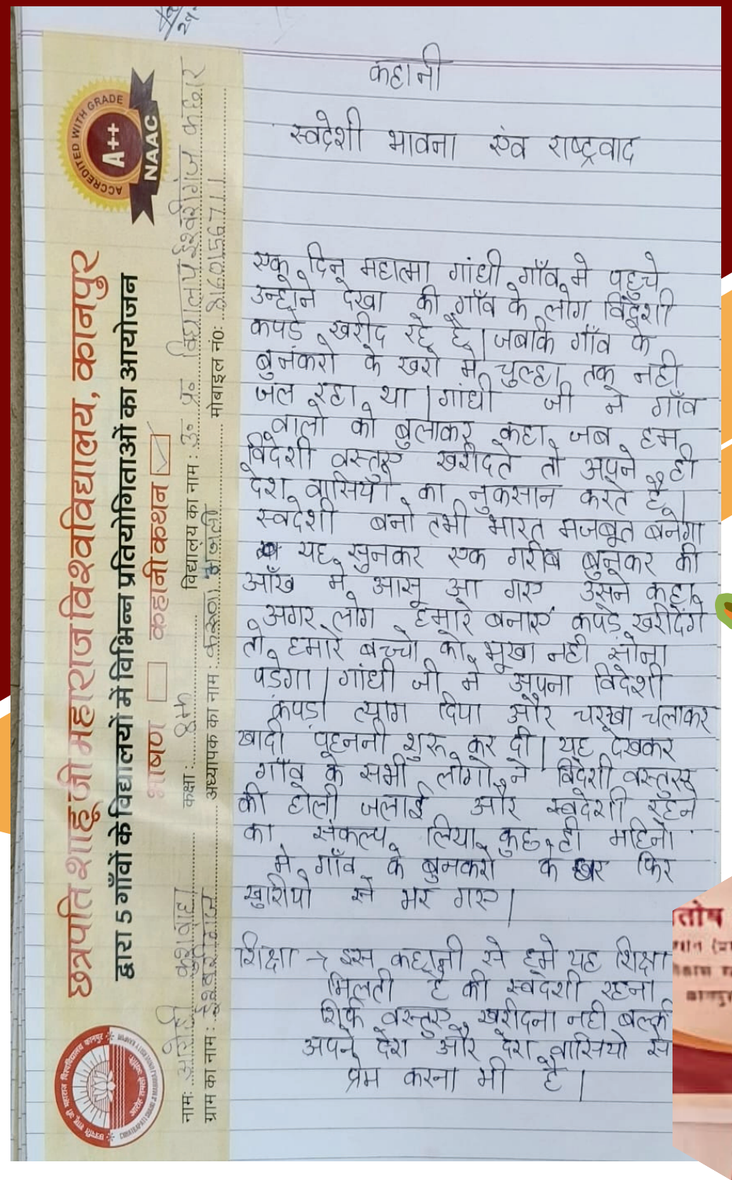

स्वदेशी भावना एवं राष्ट्रवाद

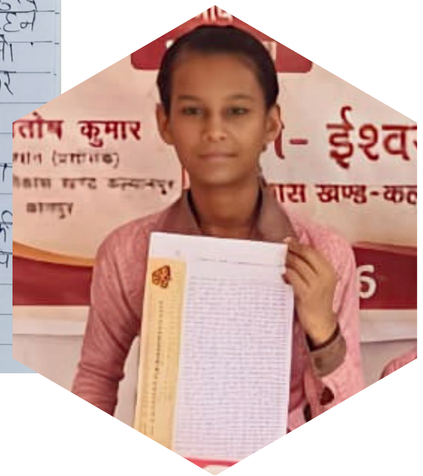

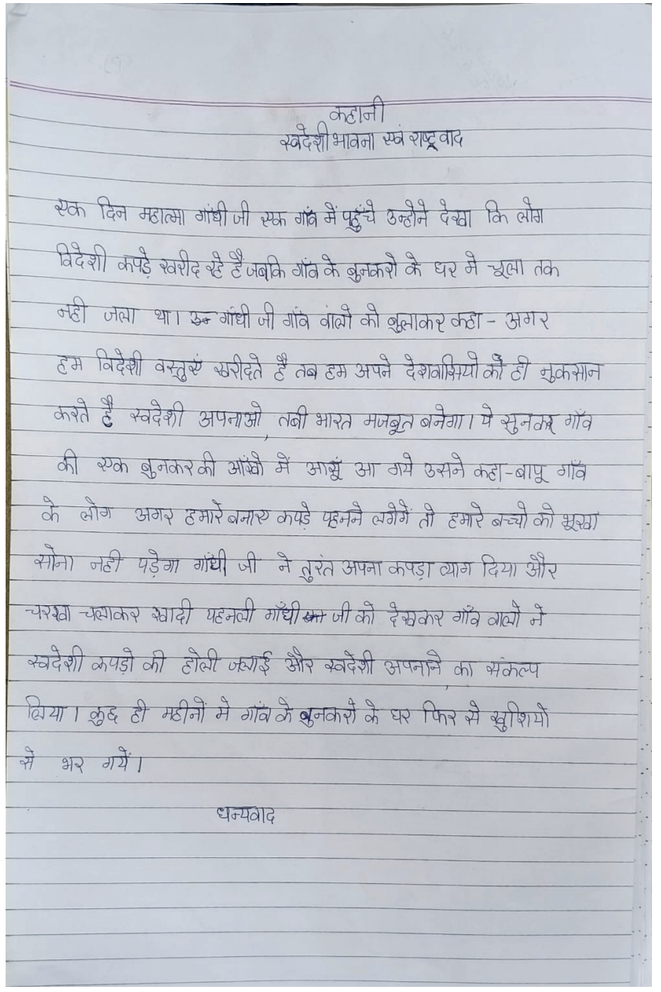

एक दिन महात्मा गांधी गाँव मे पहुचे उन्होने देखा की गाँव के लोग विदेशी कपडे खरीद रहे है। जबकि गाँव के बुनकरो के घरो मे चुल्हा तक नही जल रहा था। गांधी जी ने गाँव वालो को बुलाकर कहा जब हम विदेशी वस्तुए खरीदते तो अपने ही देश वासियो का नुकसान करते है। स्वदेशी बनो तभी भारत मजबुत बनेगा यह सुनकर एक गरिब बुनकर की आँख मे आसु आ गए उसने कहा अगर लोग हमारे बनाए कपडे खरीदेंगे तो हमारे बच्चो को भुखा नही सोना पडेगा। गांधी जी ने अपना विदेशी कपडा त्याग दिया और चरखा चलाकर खादी पहननी शुरू कर दी। यह देखकर गाँव के सभी लोगो ने विदेशी वस्तुए की होली जलाई और स्वदेशी रहने का संकल्प लिया कुछ ही महिनो मे गाँव के बुनकरो के घर फिर खुशियो से भर गए।

शिक्षा → इस कहानी से हमे यह शिक्षा मिलती है की स्वदेशी रहना शिर्फ वस्तुए खरीदना नही बल्कि अपने देश और देश वासियो से प्रेम करना भी है।

नाम:
आरोही कुशवाहा
कक्षा: 08
स्थान: प्रथम

कहानी
स्वदेशी भावना एवं राष्ट्रवाद

एक दिन महात्मा गांधी जी एक गाँव में पहुंचे उन्होने देखा कि लोग विदेशी कपड़े खरीद रहे हैं जबकि गाँव के बुनकरो के घर मे चूला तक नही जला था। गांधी जी गाँव वालो को बुलाकर कहा - अगर हम विदेशी वस्तुएं खरीदते हैं तब हम अपने देशवासियो को ही नुकसान करते हैं स्वदेशी अपनाओ, तबी भारत मजबूत बनेगा। ये सुनकर गाँव की एक बुनकर की आँखो में आसूं आ गये उसने कहा-बापू गाँव के लोग अगर हमारे बनाए कपड़े पहनने लगेगें तो हमारे बच्चो को भूखा सोना नही पड़ेगा गांधी जी ने तुरंत अपना कपड़ा त्याग दिया और चरखा चलाकर खादी पहनली गांधी जी को देखकर गाँव वालो ने स्वदेशी कपड़ो की होली जलाई और स्वदेशी अपनाने का संकल्प लिया। कुछ ही महीनों मे गाँव के बुनकरो के घर फिर से खुशियों से भर गयें।

धन्यवाद

नाम:
नैंसी
कक्षा: 06
स्थान: द्वितीय

ग्राम- उदेतपुर, विकास खण्ड चौबेपुर
प्राथमिक विद्यालय, उदेतपुर
30-06-2026

नाम:
प्रतिज्ञा
कक्षा: 05
स्थान: प्रथम

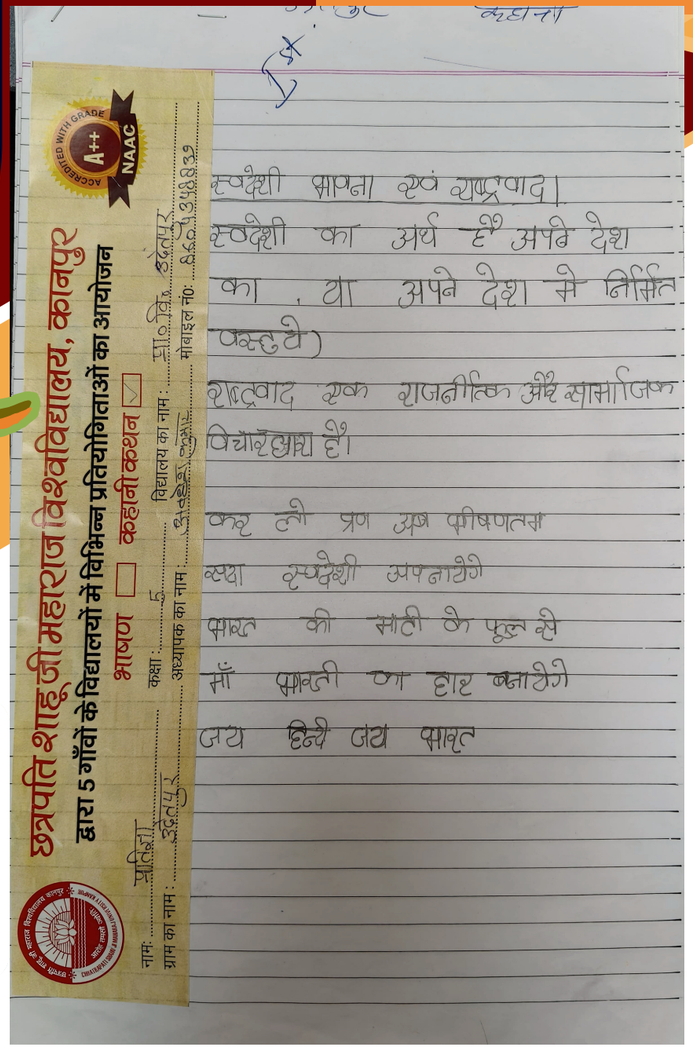

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☐ कहानी कथन ☑
नाम: प्रतिज्ञा कक्षा: 5 विद्यालय का नाम: प्रा० वि० उदेतपुर
ग्राम का नाम: उदेतपुर अध्यापक का नाम: अवधेश कुमार मोबाइल नं0: 8604348839

कहानी

स्वदेशी भावना एवं राष्ट्रवाद।
स्वदेशी का अर्थ है अपने देश का, या अपने देश से निर्मित वस्तुऐ)
राष्ट्रवाद एक राजनीतिक और सामाजिक विचारधारा है।

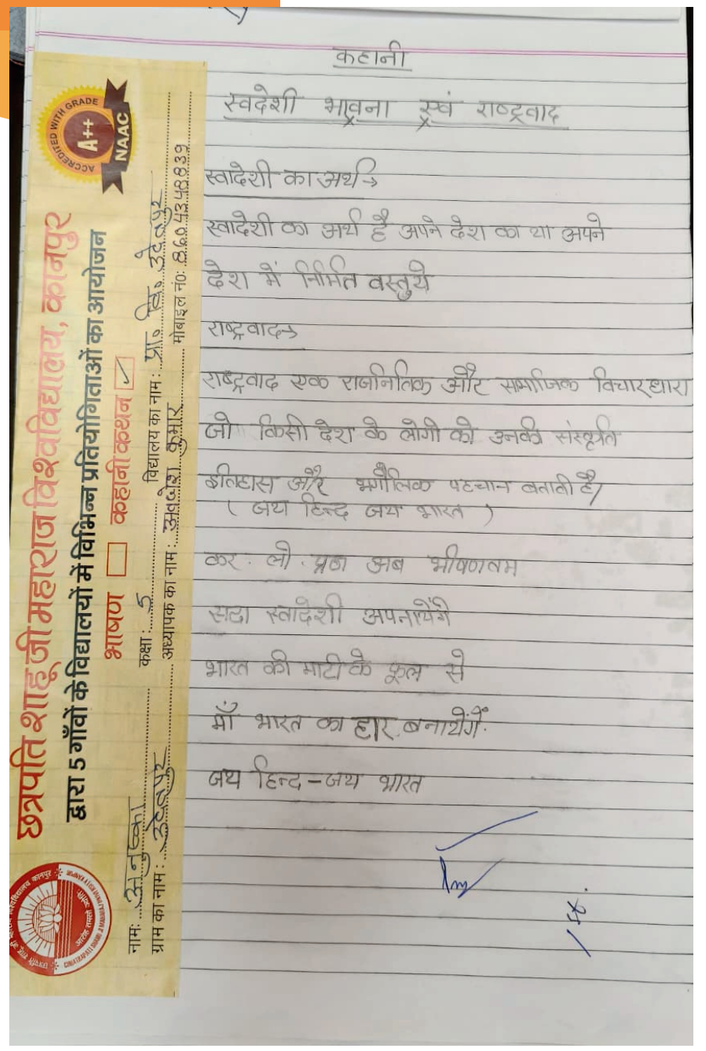

कर लो प्रण अब भीषणतम
सदा स्वदेशी अपनायेंगे
भारत की माटी के फूल से
माँ भारती का हार बनायेंगे
जय हिन्दे जय भारत

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☐ कहानी कथन ☑
नाम: अनुष्का कक्षा: 5 विद्यालय का नाम: प्रा० वि० उदेतपुर
ग्राम का नाम: उदेतपुर अध्यापक का नाम: अवधेश कुमार मोबाइल नं0: 8604348839

कहानी

स्वदेशी भावना एवं राष्ट्रवाद

स्वादेशी का अर्थ-
स्वादेशी का अर्थ है अपने देश का या अपने देश में निर्मित वस्तुये
राष्ट्रवाद-
राष्ट्रवाद एक राजनीतिक और सामाजिक विचारधारा जो किसी देश के लोगो को उनकी संस्कृति इतिहास और भौगोलिक पहचान बताती है।
(जय हिन्द जय भारत)

कर लो प्रण अब भीषणतम
सदा स्वादेशी अपनायेंगे
भारत की माटी के फूल से
माँ भारत का हार बनायेंगे।
जय हिन्द - जय भारत

नाम:
अनुष्का
कक्षा: 05
स्थान: द्वितीय

ग्राम- उदेतपुर, विकास खण्ड चौबेपुर
प्राथमिक विद्यालय, घाघपुर
30-06-2026

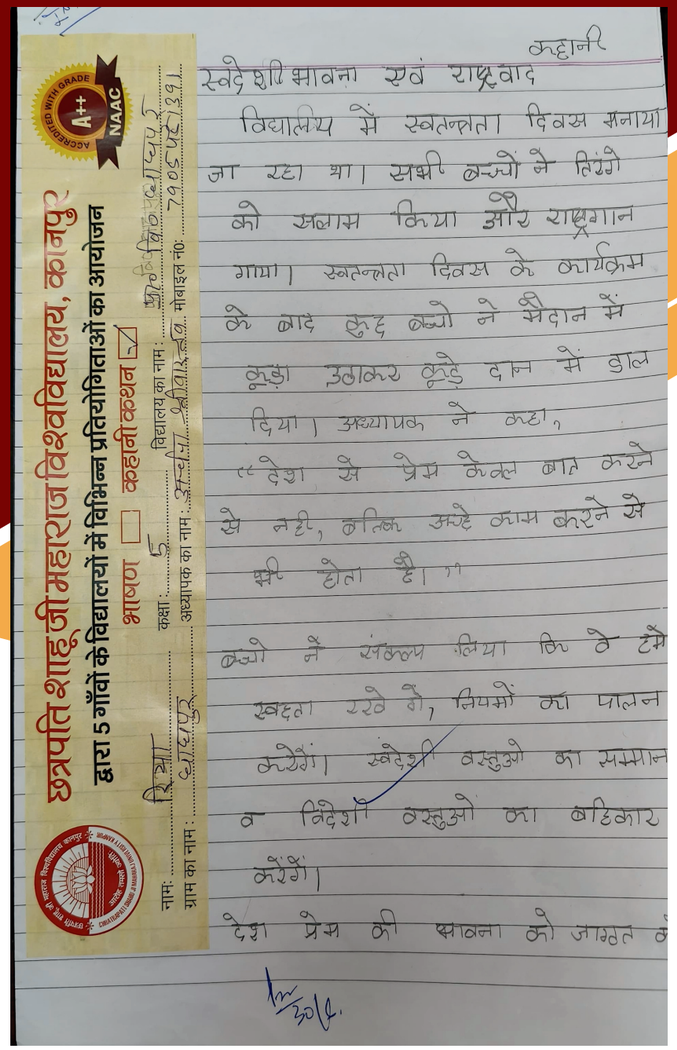

नाम:
रिया
कक्षा: 05
स्थान: प्रथम

नाम:
पूर्वी
कक्षा: 03
स्थान:
द्वितीय

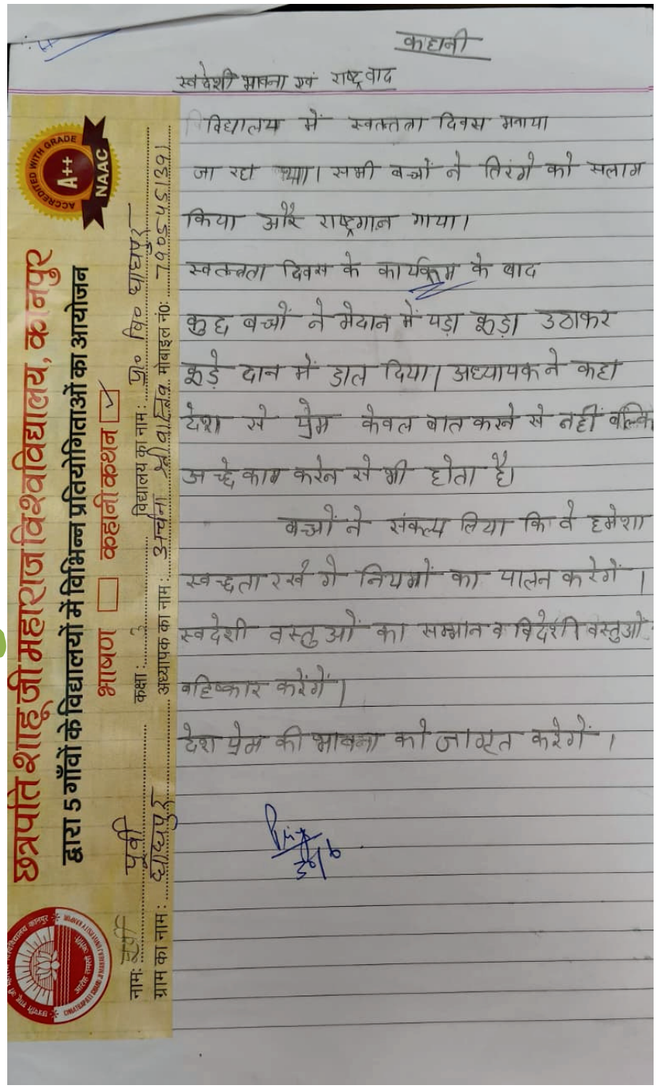

ग्राम- गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर
प्राथमिक विद्यालय (प्रथम), (द्वितीय), पूर्व माध्यमिक विद्यालय
30-06-2026

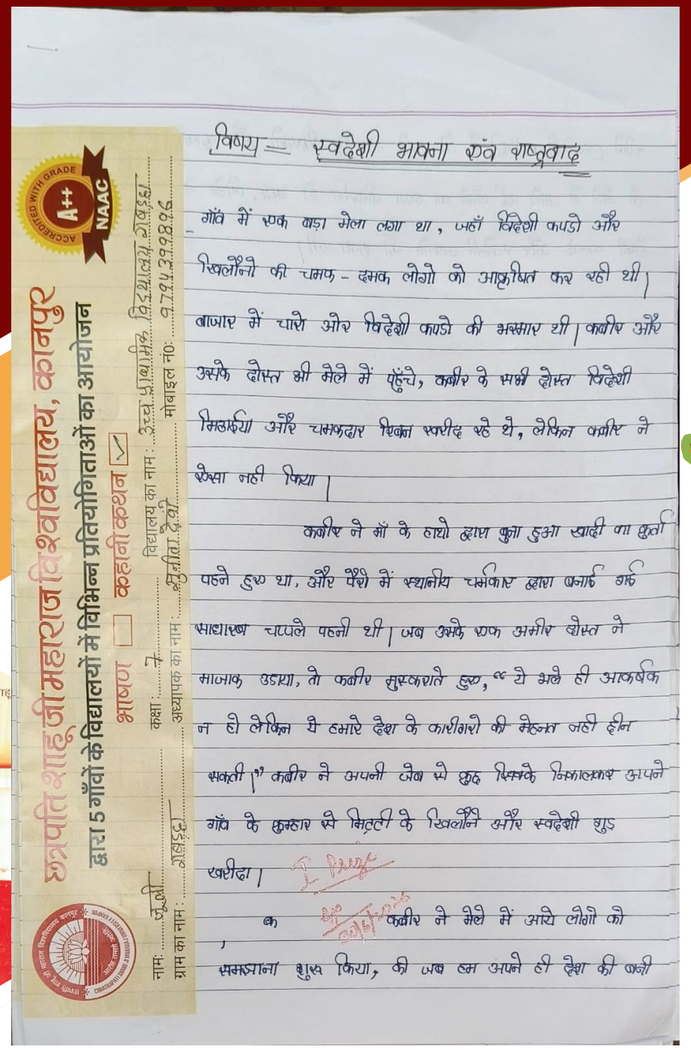

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☐ कहानी कथन ☑
नाम: जूली कक्षा: 7 विद्यालय का नाम: उच्च प्राथमिक विद्यालय गबड़हा
ग्राम का नाम: गबड़हा अध्यापक का नाम: सुनीता देवी मोबाइल नं0: 9794399896

विषय = स्वदेशी भावना एवं राष्ट्रवाद

गाँव में एक बड़ा मेला लगा था, जहाँ विदेशी कपडे और खिलौनो की चमक - दमक लोगो को आकृषित कर रही थी। बाजार में चारो ओर विदेशी कपडे की भरमार थी। कबीर और उसके दोस्त भी मेले में पहुँचे, कबीर के सभी दोस्त विदेशी मिठाईया और चमकदार रिबन खरीद रहे थे, लेकिन कबीर ने ऐसा नही किया।

कबीर ने माँ के हाथो द्वारा बुना हुआ खादी का कुर्ता पहने हुए था, और पैरो में स्थानीय चर्मकार द्वारा बनाई गई साधारण चप्पले पहनी थी। जब उसके एक अमीर दोस्त ने माजाक उड़ाया, तो कबीर मुस्कराते हुए, "ये भले ही आकर्षक न हो लेकिन ये हमारे देश के कारीगरो की मेहनत नही छीन सकती।" कबीर ने अपनी जेब से कुछ सिक्के निकालकर अपने गाँव के कुम्हार से मिट्टी के खिलौने और स्वदेशी गुड खरीदा।

I Prize

कबीर ने मेले में आये लोगो को समझाना शुरु किया, की जब हम अपने ही देश की बनी

नाम:
जूली
कक्षा: 07
स्थान: प्रथम

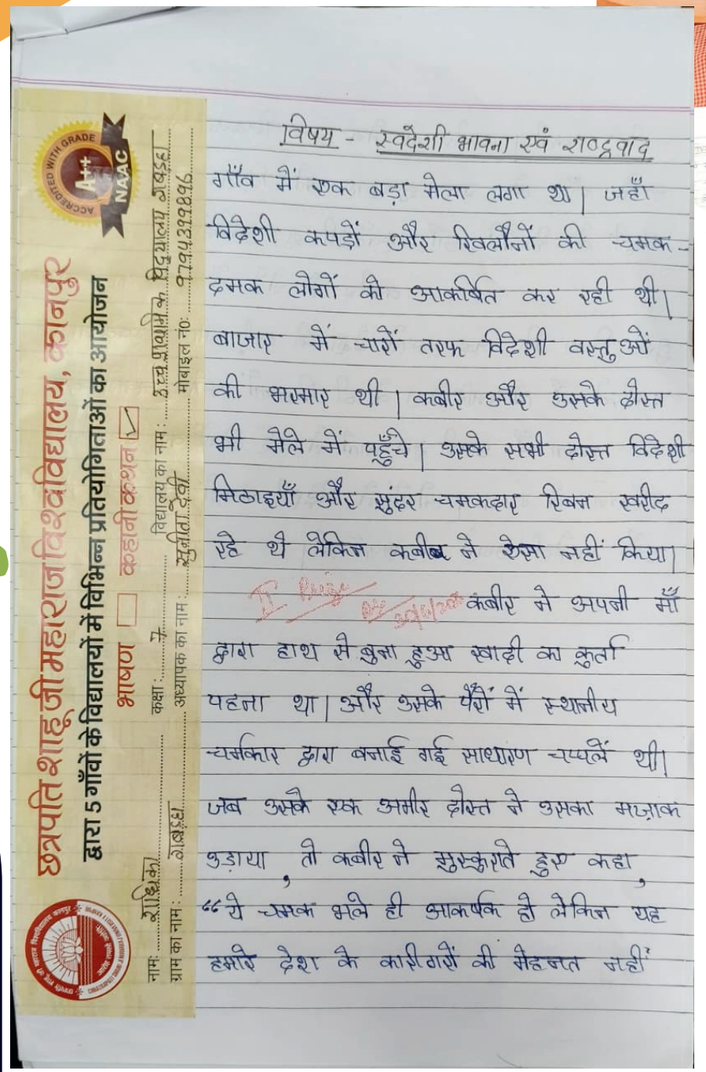

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☐ कहानी कथन ☑
नाम: राधिका कक्षा: 7 विद्यालय का नाम: उच्च प्राथमिक विद्यालय गबड़हा
ग्राम का नाम: गबड़हा अध्यापक का नाम: सुनीता देवी मोबाइल नं0: 9794399896

विषय - स्वदेशी भावना एवं राष्ट्रवाद

गाँव में एक बड़ा मेला लगा था। जहाँ विदेशी कपड़ों और खिलौनों की चमक-दमक लोगों को आकर्षित कर रही थी। बाजार में चारों तरफ विदेशी वस्तुओं की भरमार थी। कबीर और उसके दोस्त भी मेले में पहुँचे। उसके सभी दोस्त विदेशी मिठाइयाँ और सुंदर चमकदार रिबन खरीद रहे थे लेकिन कबीर ने ऐसा नहीं किया।

II Prize

कबीर ने अपनी माँ द्वारा हाथ से बुना हुआ खादी का कुर्ता पहना था। और उसके पैरों में स्थानीय चर्मकार द्वारा बनाई गई साधारण चप्पलें थी। जब उसके एक अमीर दोस्त ने उसका मज़ाक उड़ाया, तो कबीर ने मुस्कुराते हुए कहा, "ये चमक भले ही आकर्षक हो लेकिन यह हमारे देश के कारीगरों की मेहनत नहीं

नाम:
राधिका
कक्षा: 07
स्थान:
द्वितीय

ग्राम- सुनौढ़ा, विकास खण्ड चौबेपुर
प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक विद्यालय
29-06-2026

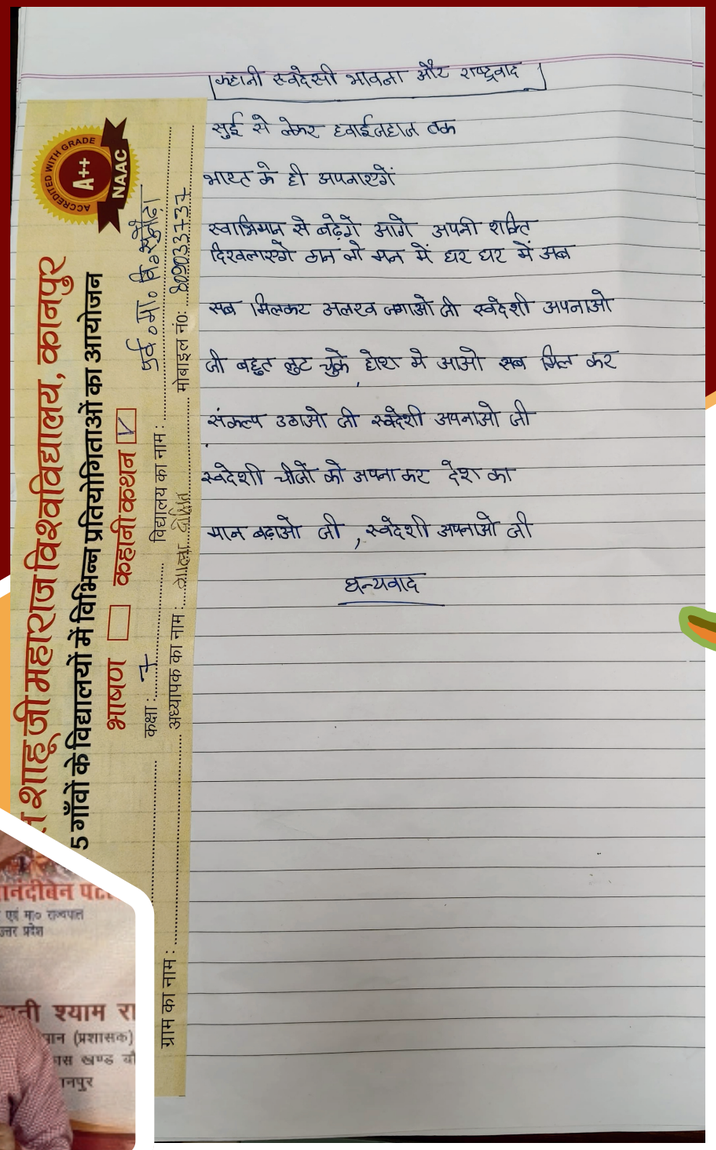

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☐ कहानी कथन ☑
कक्षा : 7
विद्यालय का नाम : पूर्व मा० वि० सुनौढ़ा
अध्यापक का नाम : आत्मा दीक्षित
मोबाइल नं0: 8090337537

कहानी स्वदेसी भावना और राष्ट्रवाद

सुई से लेकर हवाईजहाज तक
भारत के ही अपनाएंगे
स्वाभिमान से बढ़ेंगे आगे अपनी शक्ति
दिखलाएंगे ठान लो मन में घर घर में सब
सब मिलकर अलख जगाओ जी स्वदेशी अपनाओ
जी बहुत लुट चुके देश मे आओ सब मिल कर
संकल्प उठाओ जी स्वदेशी अपनाओ जी
स्वदेशी चीजों को अपना कर देश का
मान बढ़ाओ जी, स्वदेशी अपनाओ जी

धन्यवाद

नाम:
मरियम
कक्षा: 07
स्थान: प्रथम

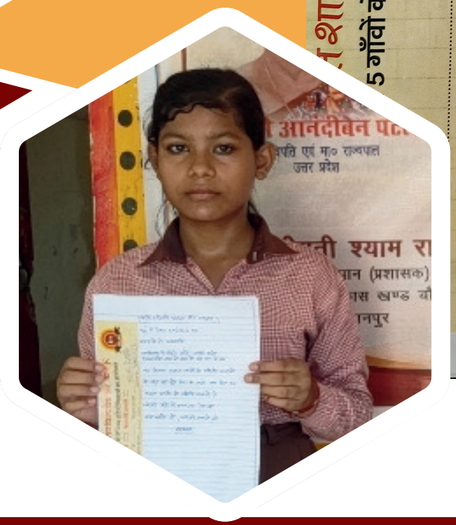

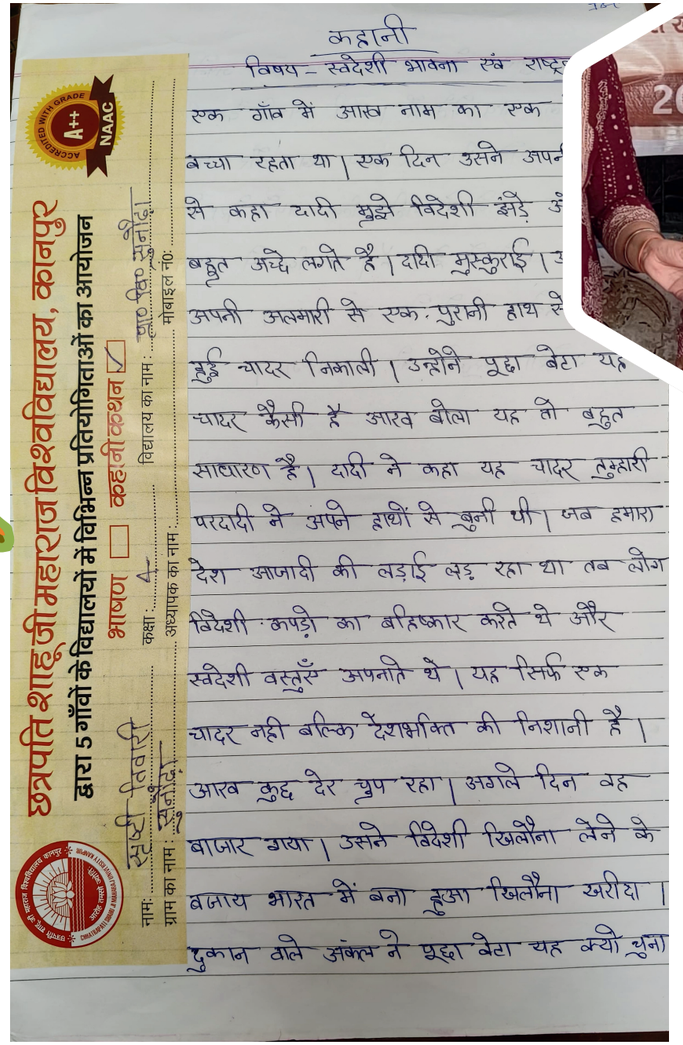

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण ☐ कहानी कथन ☑
नाम: सृष्टि तिवारी
कक्षा : 4
ग्राम का नाम : सुनौढ़ा
विद्यालय का नाम : प्रा० वि० सुनौढ़ा

कहानी

विषय - स्वदेशी भावना एवं राष्ट्र

एक गाँव में आरव नाम का एक
बच्चा रहता था। एक दिन उसने अपन
से कहा दादी मुझे विदेशी झंडे अ
बहुत अच्छे लगते हैं। दादी मुस्कुराई। उ
अपनी अलमारी से एक पुरानी हाथ से
हुई चादर निकाली। उन्होंने पूछा बेटा यह
चादर कैसी है आरव बोला यह तो बहुत
साधारण है। दादी ने कहा यह चादर तुम्हारी
परदादी ने अपने हाथों से बुनी थी। जब हमारा
देश आजादी की लड़ाई लड़ रहा था तब लोग
विदेशी कपड़ो का बहिष्कार करते थे और
स्वदेशी वस्तुएँ अपनाते थे। यह सिर्फ एक
चादर नही बल्कि देशभक्ति की निशानी है।
आरव कुछ देर चुप रहा। अगले दिन वह
बाजार गया। उसने विदेशी खिलौना लेने के
बजाय भारत में बना हुआ खिलौना खरीदा।
दुकान वाले अंकल ने पूछा बेटा यह क्यो चुना

नाम:
सृष्टि तिवारी
कक्षा: 04
स्थान: द्वितीय

ग्राम- परगही बांगर , विकास खण्ड कल्यानपुर
प्राथमिक विद्यालय
30-06-2026

नाम:
जोया
कक्षा: 05
स्थान: प्रथम

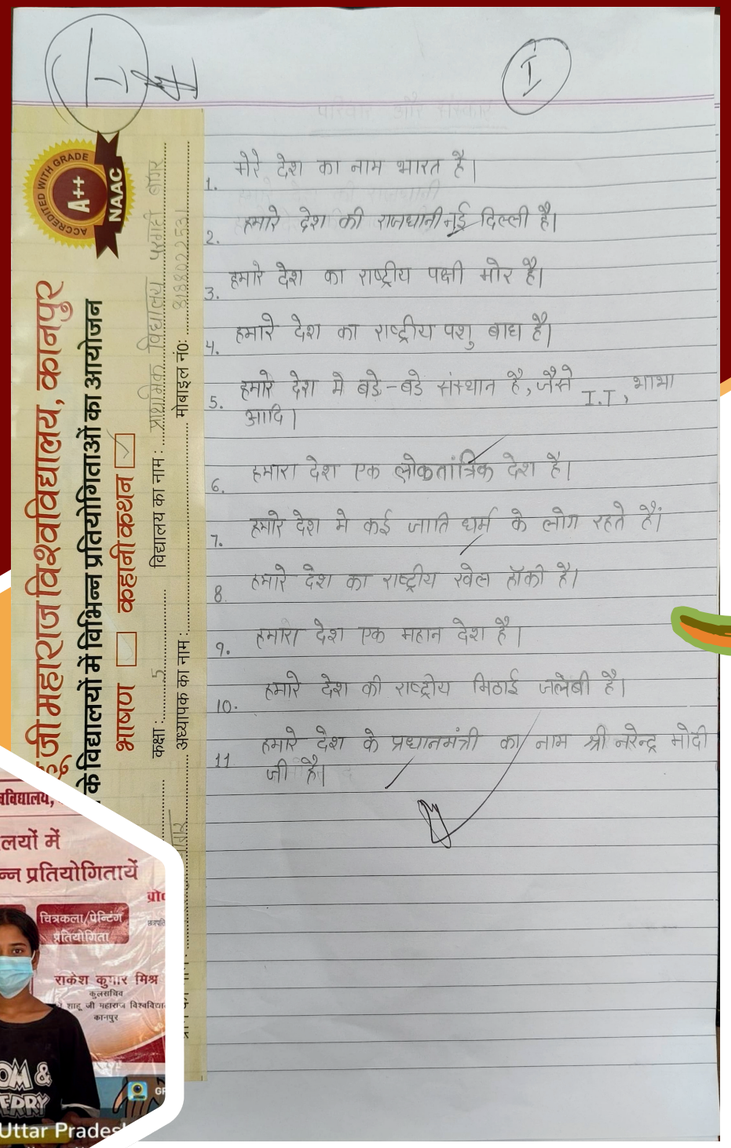

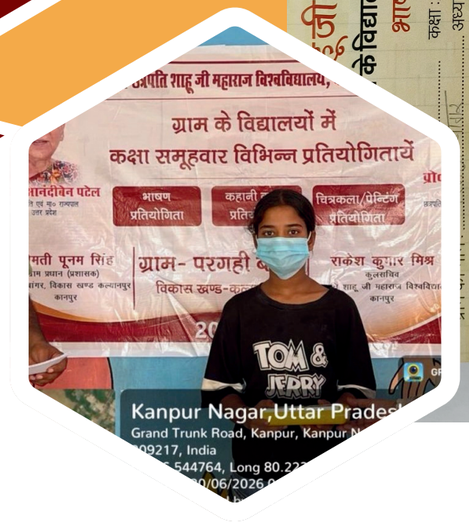

नाम:
दीपाली
कक्षा: 05
स्थान:
द्वितीय

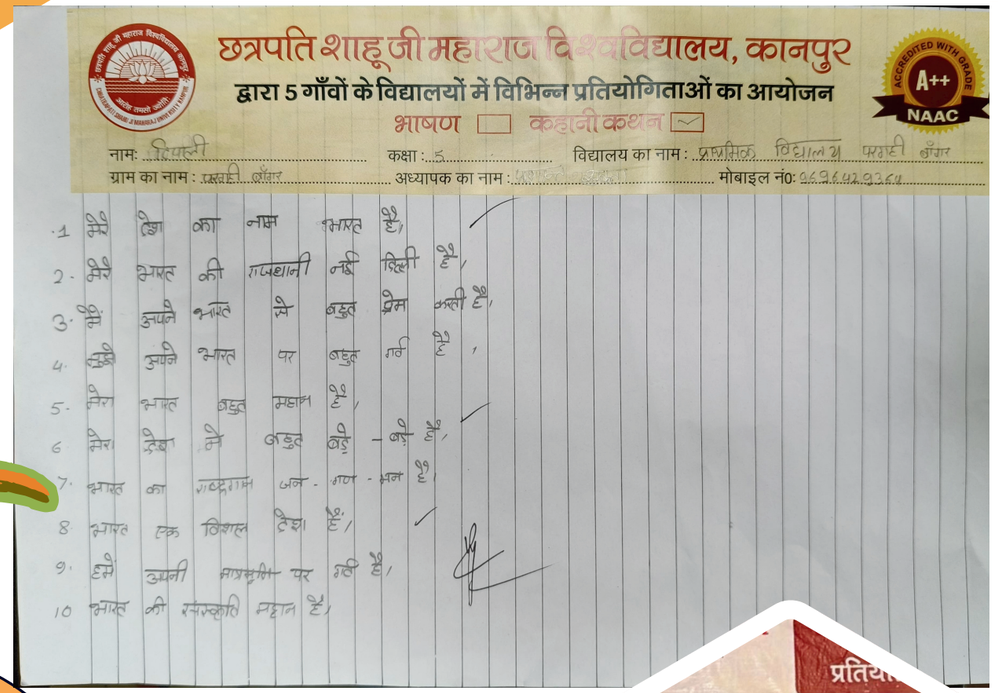

कहानी प्रतियोगिता
प्रथम चरण

दिनांक: 02 जुलाई 2026

हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट विद्यालय

कक्षा समूह-02
(कक्षा 09 से 12 तक)

विषय: अनुशासन का महत्व

ग्राम- ईश्वरीगंज, विकास खण्ड कल्यानपुर
राजकीय हाईस्कूल, बैकुंठपुर
01-07-2026

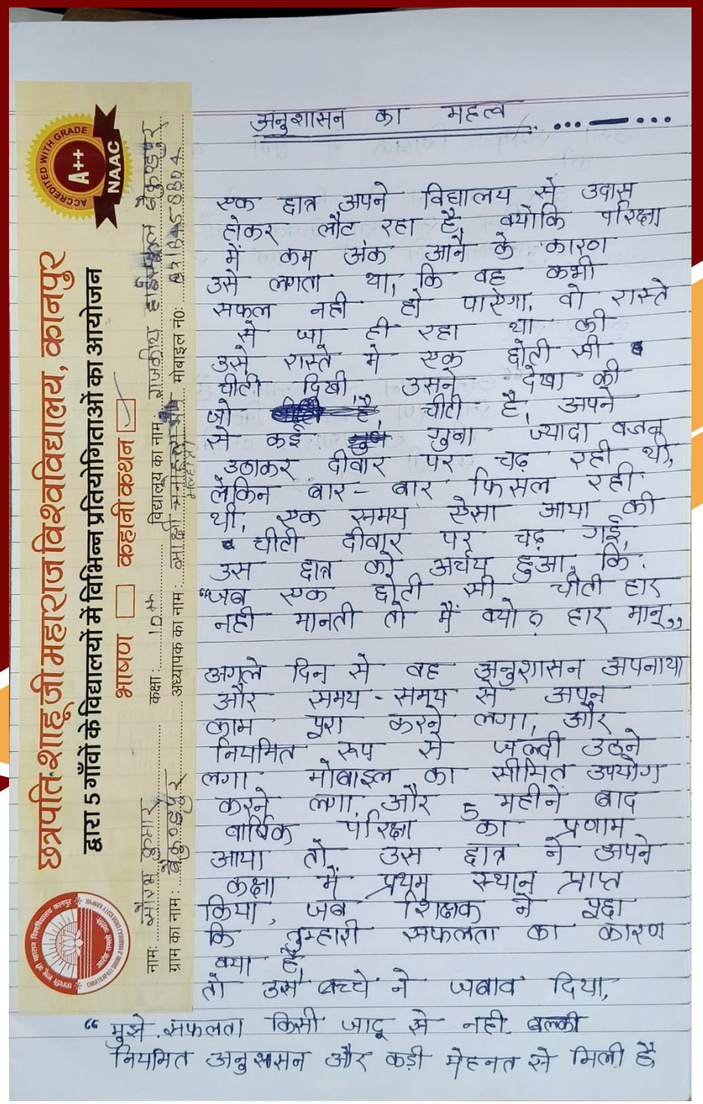

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण □ कहानी कथन ☑
नाम: सौरभ कुमार कक्षा: 10th विद्यालय का नाम: राजकीय हाईस्कूल बैकुण्ठपुर
ग्राम का नाम: बैकुण्ठपुर अध्यापक का नाम: श्री [illegible] मोबाइल नं0: [illegible]

अनुशासन का महत्व

एक छात्र अपने विद्यालय से उदास होकर लौट रहा है, क्योंकि परिक्षा में कम अंक आने के कारण उसे लगता था, कि वह कभी सफल नही हो पाऐगा, वो रास्ते से जा ही रहा था की उसे रास्ते मे एक छोटी सी चींटी दिखी, उसने देखा की जो ~~[illegible]~~ है, चींटी है, अपने से कई ~~[illegible]~~ गुना ज्यादा वजन उठाकर दीवार पर चढ़ रही थी, लेकिन बार-बार फिसल रही थी, एक समय ऐसा आया की चींटी दीवार पर चढ़ गई, उस छात्र को अचंय हुआ, कि "जब एक छोटी सी चींटी हार नही मानती तो मैं क्यो? हार मानू,,

अगले दिन से वह अनुशासन अपनाया और समय-समय से अपना काम पुरा करने लगा, और नियमित रूप से जल्दी उठने लगा, मोबाइल का सीमित उपयोग करने लगा, और 5 महीने बाद वार्षिक परिक्षा का प्रणाम आया तो उस छात्र ने अपने कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया, जब शिक्षक ने पूछा कि तुम्हारी सफलता का कारण क्या है तो उस बच्चे ने जवाब दिया,
"मुझे सफलता किसी जादू से नही बल्की नियमित अनुशासन और कड़ी मेहनत से मिली है"

नाम:
सौरभ कुमार
कक्षा: 10
स्थान: प्रथम

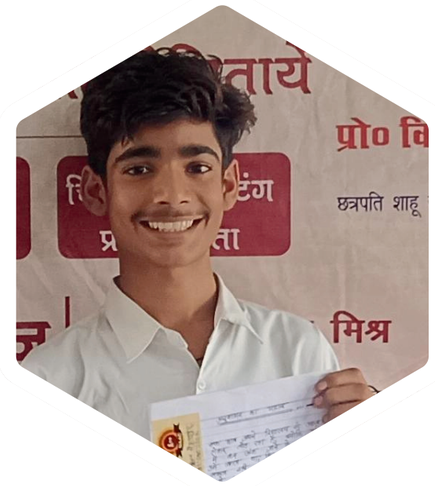

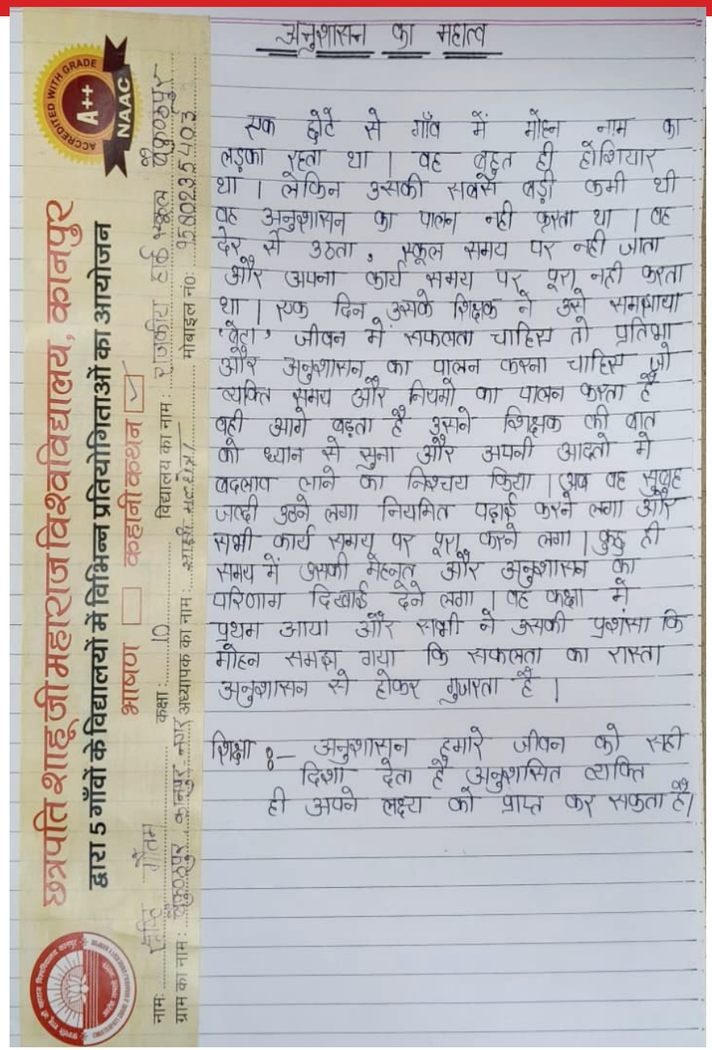

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
द्वारा 5 गाँवों के विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
भाषण □ कहानी कथन ☑
नाम: सृष्टि गौतम कक्षा: 10 विद्यालय का नाम: राजकीय हाई स्कूल बैकुण्ठपुर
ग्राम का नाम: बैकुण्ठपुर कानपुर नगर अध्यापक का नाम: श्री [illegible] मोबाइल नं0: 9580235403

अनुशासन का महत्व

एक छोटे से गाँव में मोहन नाम का लड़का रहता था। वह बहुत ही होशियार था। लेकिन उसकी सबसे बड़ी कमी थी वह अनुशासन का पालन नही करता था। वह देर से उठता, स्कूल समय पर नही जाता और अपना कार्य समय पर पूरा नही करता था। एक दिन उसके शिक्षक ने उसे समझाया 'बेटा' जीवन मे सफलता चाहिए तो प्रतिभा और अनुशासन का पालन करना चाहिए जो व्यक्ति समय और नियमो का पालन करता है वही आगे बढ़ता है उसने शिक्षक की बात को ध्यान से सुना और अपनी आदतो मे बदलाव लाने का निश्चय किया। अब वह सुबह जल्दी उठने लगा नियमित पढ़ाई करने लगा और सभी कार्य समय पर पूरा करने लगा। कुछ ही समय में उसकी मेहनत और अनुशासन का परिणाम दिखाई देने लगा। वह कक्षा मे प्रथम आया और सभी ने उसकी प्रशंसा कि मोहन समझ गया कि सफलता का रास्ता अनुशासन से होकर गुजरता है।

शिक्षा :- अनुशासन हमारे जीवन को सही दिशा देता है अनुशासित व्यक्ति ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

नाम:
सृष्टि गौतम
कक्षा: 10
स्थान:
द्वितीय

ग्राम- गबड़हा, विकास खण्ड चौबेपुर
भजनलाल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इण्टर कालेज
02-07-2026

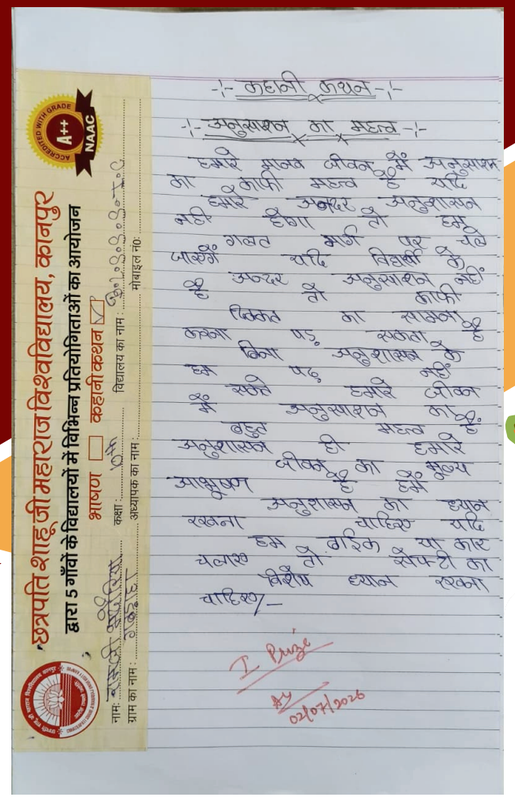

नाम:
रामजी भदौरिया
कक्षा: 10
स्थान: प्रथम

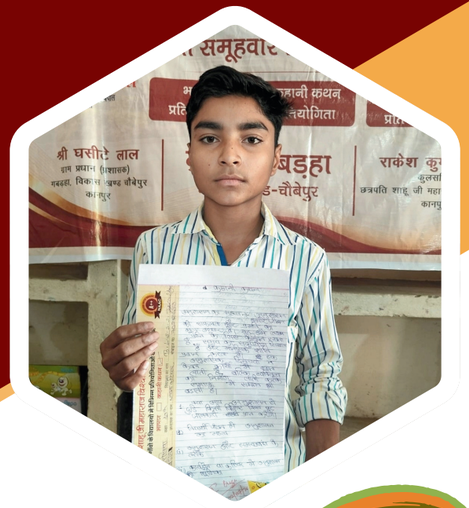

नाम:
शिवा चौरसिया
कक्षा: 10
स्थान:
द्वितीय

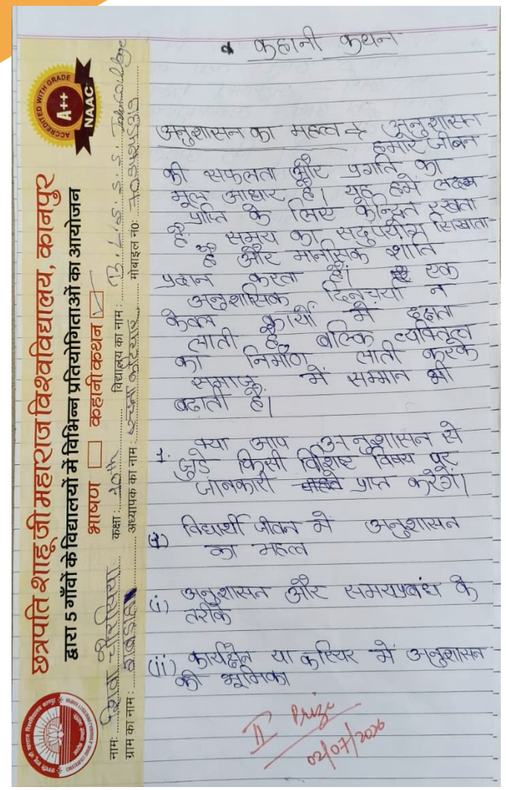

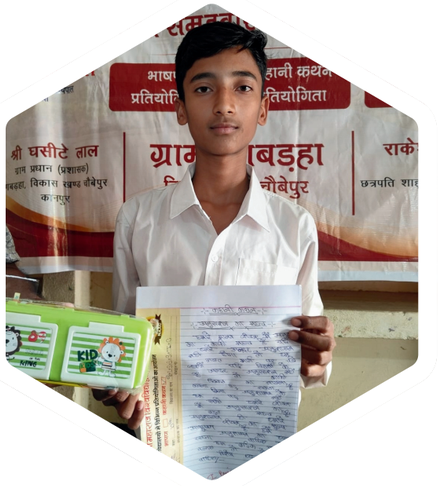

मा० कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की प्रेरणा एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक जी के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय द्वारा चयनित ग्रामों के विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य कहानी कथन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं आयोजन में स्कूल ऑफ़ टीचर एजुकेशन के शिक्षक डॉ. कल्पना अग्निहोत्री, डॉ. स्नेह पाण्डेय, डॉ. कुंवर कुलदीप चौहान, डॉ. आर पी सैनी डॉ. अनुपमा यादव एवं श्री शिव चरण पटेल तथा स्कूल ऑफ़ आर्ट्स, ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेस के शिक्षक डॉ. उर्वशी, डॉ. एसपी वर्मा, डॉ. उद्धव सुरेखा एवं डॉ. मनोहर लाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा। साथ ही विश्वविद्यालय परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. रंजना गौतम, डॉ. द्रौपती यादव, श्री प्रकाश नारायण पांडेय, डॉ. ममता तिवारी एवं डॉ. राहुल तिवारी का भी आयोजन को सफल बनाने में विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

सभी शिक्षकों एवं कार्यक्रम अधिकारियों के समन्वित प्रयासों से प्रतियोगिता का आयोजन सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विद्यालयों में प्रतियोगिता का समन्वय डा. प्रवीन कटियार द्वारा किया गया।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

प्रो. विनय कुमार पाठक
कुलपति

प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी
प्रति कुलपति

श्री अशोक कुमार त्रिपाठी
वित्त अधिकारी

श्री राकेश कुमार मिश्र
कुलसचिव

डा. प्रवीन कटियार
समन्वयक

आरोह तमसो ज्योतिः।

x.com/csjmuofficial | www.csjmu.ac.in | www.facebook.com/csjmuofficial